सेमेस्टर-चार

MHN 403 EC-1 (क)

पन्द्रहवाँ प्रश्न पत्र

क्रेडिट :05

$3 \times 15 = 45$
$3 \times 5 = 15$
$10 \times 1 = 10$
70

## साहित्य का समाजशास्त्र और संस्कृतिमूलक अध्ययन

समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की परंपराएँ : पाश्चात्य और भारतीय

प्रमुख साहित्यिक समाजशास्त्री : इपालित अडोल्फ तेन, लियो लोवेठंल, लूसिए गोल्डमान और रेमंड विलियम्स

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ– साहित्य में समाज की खोज, समाज में साहित्य और साहित्यकार की स्थिति, साहित्य और पाठक–समुदाय, लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य और जनसंचार के माध्यम

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख पद्धतियाँ– विधेयवाद, अनुभववाद, संरचनावाद और मार्क्सवाद

साहित्य का संस्कृतिमूलक अध्ययन : भारतीय अवधारणाएँ, धर्म और संस्कृति, जाति और संस्कृति

साहित्य के संस्कृतिमूलक अध्ययन की विभिन्न दृष्टियाँ– प्राच्यवादी दृष्टि, उत्तर औपनिवेशिक दृष्टियाँ

साहित्य के संस्कृतिमूलक अध्ययन की विभिन्न पद्धतियाँ– संरचनावाद (सस्यूर, लेवीस्ट्रास, रोला बार्थ, अंबर्टाइको), उत्तरसंरचनावाद (देरिया, लांका, फूको)

मार्क्सवाद (अल्थूसर, जॉन फिस्के, हैबरमॉस) स्त्री चिंतन

भूमंडलीकरण और मीडिया के दौर में संस्कृति के रूप और साहित्य

उपभोक्तावादी संस्कृति के विभिन्न रूप और साहित्य

अनुमोदित ग्रंथ–


1. मैनेजर पांडेय– साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका
2. निर्मला जैन (सं.)– साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन
3. पूरनचंद जोशी– परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम
4. **Escarpit Robert - Sociology of literature, London, 1965**
5. **Laurenson, Diana and Swingwood, alanhall- Sociology of literature**
6. **Alam Swingwood - The Novel of Revloution**
7. **Michol Zeraffia - Fictions : The Novel and Social reality**
8. **Raymond Williams - The Long Revolution**

   **- Culture and Society**


StudyOrigin.IN

9. Leo lowemthal - Literature and the image of man.

10. रामधारी सिंह दिनकर– संस्कृति के चार अध्याय

11. Louis Althuer - for Marx

12. Ajar Ahmad- In theory

13. Leela Gandhi - Post Colonialism

14. Homi Bhabha (Ed.) Nation and Narration

15. Meenakshi Gigi Durhan and Douglas Kelliner- Media and Cultural studies Keywords.

16. Pramod K. Nayyer - Literary theory today

17. Cumber to Eco- Towards a semiotic inquiry into T.V messages.

*****

StudyOrigin.IN

MHN 404 ECI (२१) सोलहवाँ प्रश्न-पत्र

दो प्रश्नोत्तर – 2×15=30
दो व्याख्याएँ 2×10=20
दो लघुत्तरी 2×5=10
दस वस्तुनिष्ठ–10×1=10
70

क्रेडिट : 405

## किसी एक विकल्प का चयन करना होगा

### (क) कहानी

कथा, किस्सा और कहानी

लोक कथा और कहानी

शॉर्ट स्टोरी और कहानी

उर्दू कहानी और हिन्दी कहानी

कहानी का विश्व परिदृश्य और हिन्दी कहानी

कहानी और राजनीति

प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानी

प्रेमचंद और उनके समकालीन

प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– आंचलिक कहानी, नई कहानी, समानांतर कहानी, अकहानी

समकालीन कहानी

हिन्दी कहानी और दलित स्वर

हिन्दी कहानी और स्त्री स्वर

गांव, शहर और कहानी

पाठ– बंग महिला (दुलाई वाली), किशोरीलाल गोस्वामी (इंदुमती), चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (उसने कहा था), प्रेमचंद (कफन), जयशंकर प्रसाद (ग्राम), राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह (कानों में कंगना), जैनेन्द्र (खेल), अज्ञेय (गैंग्रीन) यशपाल (उत्तमी की माँ), फणीश्वरनाथ रेणु (ठेस), निर्मल वर्मा (परिन्दे) अमरकांत (जिन्दगी और जोंक), मोहन राकेश ( ), भीष्म साहनी (चीफ की दावत), कृष्णा सोबती (मित्रो मरजानी), ज्ञानरंजन (घंटा), शेखर जोशी (काशी का घटवार), काशीनाथ सिंह (अधूरा आदमी), मन्नू भंडारी ( ), सृंजय (कामरेड का कोट), उदयप्रकाश (तिरिछ)

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. जैनेन्द्र कुमार– कहानी : अनुभव और शिल्प, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली, 1973
2. नामवर सिंह– कहानी : नई कहानी, लोकभारती, इलाहाबाद
3. राजेन्द्र यादव– नई कहानी : संवेदना और स्वरूप, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली



StudyOrigin.IN

4. धनंजय (सं0) – समकालीन कहानी : दिशा और दृष्टि

5. देवीशंकर अवस्थी (सं0)– नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल दिल्ली, 1966

6. विजयमोहन सिंह– आज की हिन्दी कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन

7. मधुरेश – नई कहानी : पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

– हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन

8. विश्वनाथ त्रिपाठी– कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, पंचकूला, दिल्ली

9. बलराज पाण्डेय– नई कहानी आंदोलन की भूमिका, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद

10. देवेश ठाकुर– हिन्दी की पहली कहानी, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ

11. देवीशंकर अवस्थी– विवके के रंग, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

12. नेमिचन्द्र जैन– अधूरे साक्षात्कार

13. नित्यानंद तिवारी– सृजनशीलता का संकट

14. रामदरश मिश्र– हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान

15. राजेन्द्र चौधरी– नई कहानी : प्रकृति और पाठ

16. कमलेश्वर – नई कहानी की भूमिका

17. निर्मल वर्मा– कला का जोखिम

18. मुक्तिबोध– एक साहित्यिक की डायरी

MHNEC-1 (21) लोक–साहित्य

लोक की नृतत्वशास्त्रीय, एथनोग्राफी, लोक मनोवैज्ञानिक व समाज शास्त्रीय व्याख्या

हिंदी लोक साहित्य : अध्ययन और अनुसंधान की प्रविधि– सर्वेक्षण व संकलन

लोक–साहित्य का अध्ययन, विश्लेषण और मूल्यांकन

भारत में लोक साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान

लोक संस्कृति के अंग और उसकी अभिव्यक्तियाँ– भाषा, साहित्य, संगीत, जीवन–दर्शन

लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मारक भाषा की प्रकृति और स्वरूप, हिन्दी की ग्रामीण शैलियाँ और उसका भाषिक वैशिष्ट्य

लोकगीत, देवीगीत, जन्म संबंधी, संस्कार गीत, विवाह संबंधी, ऋतुगीत, मृत्यु संबंधी गीत, श्रम गीत



StudyOrigin.IN

साहित्यिक रूप– श्रव्य– लोकगाथा, लोक–आख्यान, पंडवानी, आल्हा आदि

दृश्य– लोक नाट्य– रामलीला, कव्वाली, चरबैत, नौटकी, स्वांग, संगीत, विदेशिया

पाठ– महेन्द्र मिश्रि, भिखारी ठाकुर

**अनुमोदित ग्रंथ:–**

1. पीयूष दहिया (सं0) – लोक
2. पीयूष दहिया (सं0) – लोक का आलोक
3. धीरेन्द्र वर्मा– लोक–साहित्य की भूमिका
4. डॉ0 सत्येन्द्र – लोक –साहित्य, विज्ञान
5. जगदीशचन्द्र माथुर– पारंपरिक लोक–नाट्य
6. श्याम परमार– भारतीय लोक–साहित्य
7. मनोहर शर्मा– लोक साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा
8. डॉ0 कुंदन लाल उप्रेती– लोक साहित्य के प्रतिमान
9. **Zygment Bauman- culture as pararis**
10. **Any Gazin Schwartz- Archacology and folklose**
11. **Valdinnir Propp- Theory and history of folklose**
12. **Donna Roserberg- Folklose, Myths and legends**
13. **S.P.Pandey and Awadhesh kr. Singh- Folk culture in India.**
14. **Syed Abdul latif- An Outline of the cultural history of India.**
15. **Dr. P.C. Muraleemadhavan- Facets of Indian Culture**
16. **Krishna Murthy - Mirrors of India culture**
17. **Kapila Vatsyayan - Traditions of Indian folk dance**
18. **Richman - May Ramayana.**

MHNEC4(C) (स) आधुनिक हिन्दी–साहित्य

आधुनिक, आधुनिकता, आधुनिकीकरण, उत्तर आधुनिकता

लोक से जन का संक्रमण

सांस्कृतिक पूंजी, सांस्कृतिक संस्थान

सांस्कृतिक उत्पादन, आधुनिक कला–रूप

गांव, शहर, समाज और साहित्य

औपनिवेशिक दौर और हिंदी भाषा जनक्षेत्र, फोर्ट विलियम कॉलेज, हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागरी प्रचारिणी सभा, हिन्दी की बहसें

भारतेन्दु मंडल, द्विवेदी युग, सरस्वती, सुधारवाद, राष्ट्रवाद, साम्राज्यवाद विरोध, पश्चिम के विचार आंदोलन का प्रभाव, प्राच्यवाद

प्रगतिशील आंदोलन, राष्ट्रवाद और प्रगतिशीलता के प्रश्न

उत्तर औपनिवेशिक हिन्दी साहित्य

सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत

बहुभाषिकता, बहुसांस्कृतिकता

भारतीय साहित्य की अवधारणा

साहित्य और विचारधारा, साहित्य की सृजन–प्रक्रिया में लेखक और पाठक की विचारधाराओं का द्वन्द्व, साहित्यिक कृतियों की व्याख्या और विचारधारा की समस्या–

संदर्भ पाठ– भारतेन्दु (प्रबोधन अंधेर नगरी), प्रेमचंद (रंगभूमि, गोदान)। निराला (राम की शक्ति पूजा, तुलसीदास), ह0 प्र0 द्विवेदी (बाणभट्ट की आत्मकथा), रेणु (मैला आँचल) श्रीलाल शुक्ल (राग दरबारी), मनोहरश्याम जोशी (कसप, कुरु–कुरु स्वाहा, हरिया, हरक्यूलिस की हैरानी) मैत्रेयी पुष्पा (इदन्नम, अल्मा कबूतरी, चाक), अलका सरावगी (कलिकथा भाया बाइपास)

अनुमोदित ग्रंथः–

1. रमेश कुंतल मेघ– आधुनिकता और आधुनिकीकरण
2. **Authory J.Casscardi - The subject of Modernity**
3. **Authory Giddens- The constitution of Society**

**- The consequences of modernity**

4. **M.Castells - The city and gressroots**
5. रामविलास शर्मा – भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ
6. रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
7. डॉ0 नगेन्द्र– भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास



Studyorigin.IN

8. नित्यानंद तिवारी– आधुनिक साहित्य और इतिहास–बोध

9. रामधारी सिंह दिनकर– संस्कृति के चार अध्याय

10. वसुधा डालमिया– नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडिशनः भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एंड नाइनटीथ सेंचुरी बनारस

11. **D.P.Mukerji- Modern Indian Culture: A sociological Study, Bombay, 1948.**

12. **Raymond William - Marixm and literature**

13. **Terry Eagleton- Criticism and Ideology**

**- Ideology: An Introduction.**

MHN EC-11(5) (ख) आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

आधुनिक हिन्दी रंगमंच

अन्धेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र

स्कन्द गुप्त, लहरों के राजहंस, कोणार्क (राधाकृष्ण)

कबिरा खड़ा बाजार में, भीष्म साहनी

शकुन्तला की अँगूठी –

अन्धा युग– लोकभारती किताब महल, इलाहाबाद

एकांकी सप्तक– सं0 डॉ0 चम्पा श्रीवास्तव, प्रो0 राजेन्द्र कुमार, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद

**अनुमोदित ग्रथः–**

1. हिन्दी नाटकः उद्‌भव और विकास – डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
2. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
3. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष– गिरीश रस्तोगी, लोकभारती
4. मोहन राकेश और उनके नाटक– गिरीश रस्तोगी, लोकभारती
5. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश– गोविन्द चातक राधाकृष्णक प्रकाशन, दिल्ली।
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद– सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्णा
7. नाटककार भारतेन्दु की रंगपरिकल्पना– सत्येन्द्र कुमार, तनेजा, राधाकृष्णा
8. नाटककार जगदीशचन्द्र माथुर– गोविन्द चातक, राधाकृष्ण
9. नाटक सिद्धान्त और प्रयुक्ति - डॉ० पूनम कुमारी - निर्मल प्रकाशन, नई दिल्ली



StudyOrigin.IN

9. हिन्दी नाटक के पांच दशक– कुसुम खेमानी

10. हिन्दी एकांकी– सिद्धनाथ कुमार

11. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र– देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल

12. साठोत्तर हिन्दी नाटक – के.वी. नारायण करूण, लोकभारती।

13. हिन्दी नाटक– बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

14. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच– जयदेव तनेजा, तक्षशिला, प्रकाशन, दिल्ली।

15. एकांकीकार अस्नेश्वर का यथार्थबोध– सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

## (ख) प्रयोजन मूलक हिन्दी

### खण्ड–'क'

### कामकाजी हिन्दी

1. हिन्दी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा इत्यादि।

2. राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य– प्रारूपण, पत्रलेखन, टिप्पणी, संक्षेपण, पल्लवन,।

3. पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप और महत्व, निर्माण के सिद्धांत।

### खण्ड–'ख'

### हिन्दी कम्प्यूटिंग

1. कम्प्यूटर : परिचय, उपयोग, वेब पब्लिशिंग।

2. इंटरनेट : सम्पर्क उपकरणों का परिचय, इन्टरनेट एक्साइलोड (नेट स्क्रेप), लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना और प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट, पोर्टल लोडिंग, अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

### खण्ड–'ग'

### अनुवाद

1. अनुवाद का स्वरूप, प्रकार, महत्त्व, आदर्श अनुवाद के अभिलक्षण।

2. पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद।

### खण्ड–'घ'

### राजभाषा एवं जनसंचार

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के क्षेत्र।
2. जनसंवाद एवं जनसंपर्क।
3. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

StudyOrigin.IN

**अनुमोदित ग्रथः–**

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी– विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी– दंगल झाल्टे
3. प्रयोजन मूलक हिन्दी और पत्रकारिता– डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. प्रयोजन मूलक हिन्दी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी– डॉ0 माधव सोन टक्के, लोकभारती, प्रकाशन
6. प्रयोजन मूलक हिन्दी– प्रो0 रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
7. प्रयोजन मूलक हिन्दी– पी. लता, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. अनुवादः सिद्धान्त एवं व्यवहार– डॉ0 जयन्ती प्रसाद नौटियाल, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. राजभाषा सहायिका– अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

MHN EL-II (J) **(ङ) कथेतर गद्य**

1. क्या भूलूँ क्या याद करूँ– बच्चन, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
2. आवारा मसीहा– विष्णु प्रभाकर
3. पथ के साथी– महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. पुण्डरीक– श्यामनन्दन किशोर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. आत्म की धरती – डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तियारी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
6. ऋणजल धनजल– फणीश्वर नाथ रेणु, राजकुल प्रकाशन, दिल्ली
7. निबन्ध– प्रस्तावित निबन्ध– आप, मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, अशोक के फूल, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, रस आखेटक, मन्दिर और राजभवन, गेहूँ और गुलाब, मैं हज्जाम हूँ, ताला, सदाचार का तावीज।

प्रताप नारायण मिश्र, सरदार पूर्ण सिंह, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय, दिनकर, बेनीपुरी, आचार्य शिवपूजन सहाय, आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, हरिशंकर परसाई

**अनुमोदित ग्रंथः–**

1. वाङ्मय विमर्श– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. साहित्यिक विधाएँ : रूपतामक विकास– डॉ0 बैजनाथ सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
3. आत्मकथा की संस्कृति– पंकज– चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. आत्मकथा और उपन्यास– ज्ञानेन्द्र कुमार, सन्तोष, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

♣♣♣♣♣



Studyorigin.IN